सतत मूल्यांकन से शिक्षा को बढ़ावा

- प्रथम क्षेत्रीय चंद्रशील अंग्रेजी विवाद प्रतियोगिता आयोजित
- शिक्षा की महत्ता पर बच्चों ने डाला प्रकाश

प्रतियोगिता को संबोधित करती छात्रा

डीएवी स्कूल में प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे

मोतिहारी, संस : बाल दिवस के अवसर पर सीएस डीएवी स्कूल द्वारा विद्यालय परिसर में प्रथम क्षेत्रीय चंद्रशील अंग्रेजी विवाद प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को किया गया। उदघाटन माध्यमिक डीपीओ डा. विनय कुमार व अन्य ने किया। संबोधित करते हुये प्राचार्य डा. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि आज के समय में गुणात्मक शिक्षा अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सतत मूल्यांकन से गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देता है। श्री कुमार ने कहा कि इसके लिए बच्चों व अभिभावकों को तत्पर रहना होगा। वाद-विवाद प्रतियोगिता में 18 विद्यालयों के कुल 36 छात्र-छात्राओंने भाग लिया। वाद-विवाद का विषय समग्र व सतत मूल्यांकन था। इस दौरान बच्चों गुणात्मक शिक्षा के लिए समग्र व सतत मूल्यांकन पर जोर दिया। इस विषय पर छात्र-छात्राओं ने पक्ष व विपक्ष में अपना-अपना तर्क रखा। कार्यक्रम का संचालन दीपक कुमार सिंह व मैत्रीय श्री ने की। स्वागत भाषण प्रभात शक्ति ने प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रत्येक सत्र के बीच विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक नृत्य व संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल के सदस्यों में प्रो. श्रीकांत प्रसून, प्रो. एकबाल हुसैन व पंकज श्रीवास्तव थे। कार्यक्रम के पक्ष का प्रथम पुरस्कार डीएवी सीवान की छात्रा अंजली राज को, द्वितीय पुरस्कार चंद्रशील विद्यापीठ पब्लिक स्कूल कांटी की छात्रा श्रेया को व तृतीय पुरस्कार के रुप में डीएवी मोतिहारी की छात्रा दीक्षा सांडिल्य व विपक्ष में प्रथम पुरस्कार डीएवी मोतिहारी की छात्रा दृष्टि, द्वितीय पुरस्कार चंद्रशील विद्यापीइ पब्लिक स्कूल की छात्रा सवर्णा, तृतीय पुरस्कार जीडी मदर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल मुजफ्फरपुर की छात्रा सतरंजन को दिया गया। वहीं, विद्यालय पुरस्कार के तहत प्रथम पुरस्कार डीएवी मोंतिहारी, द्वितीय पुरस्कार चंद्रशील विद्यापीठ पब्लिक स्कूल कांटी को प्रदान किया गया। मौके पर उमाशंकर राम, विद्यापति, रुची श्रीवास्तव, प्रीति कुमारी, पीएल पाण्डेय, नीलू तिवारी, सुधा चौहान, आनंद शुक्ला, मो. नईमुद्दीन, अवधेश कुमार, रविन्द्र कुमार, रंजन कुमार मिश्रा, मीडिया प्रभारी राकेश श्रीवास्तव सहित तमाम शिक्षक-शिक्षिकाएं व बच्चे उपस्थित थे।